((d) whether it is a fact that two of the equestrians were not allowed to participate and were sent back, if so, the reasons therefor; and

(e) The total expenditure incurred by what is the Indian Olympic Association and Government of India on those two participants?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPARTMENT OF YOUTH AFFAIRS AND SPORTS) (SHRI MUKUL WASNIK): (a) Sir.

(b) and (c) No horses were sent by Sports Authority of India as these were provided by the host country on "lottery" basis from the total number of horses required for all the Equestrian events.

(d) Two equestrains, Imtiaz Anees and Palwinder Singh who were also recommended by Equestrian Federation of India were cleared at a later stage. However, the Hiroshima Asian Games Organising Committee did not accept any further change in entries, when tne final draw of the horses was made. As such inclusion of these two equestrians was not accepted despite efforts of the Manager and Chef-le-Mission of the Indian Contingent.

(e) The total expenditure incursed by Government of India on those two participants is Rs. 88,320/- (Approx) However, no expenditure was borne by Indian Olympic Association on them.

Financial Assistance to Groups performing Arts

552. SHRI RAHASBIHARI BARIK: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether the Department of Culture is providing financial assistance to professional groups and individuals in the field of performing arts;

(b) if so, the kind of groups covered by the schemes;

(c) the norms fixed for the sanction of such grants;

(d) whether anv state/group or individual had been given such type of grants during the last three years; and

(e) if so, the details there of?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPTT. OF EDUCATION AND DEPTT. OF CULTURE) (KUMARI SELJA): (a) Yes, Sir.

(b) Under this scheme financial assistance is provided to dramatic groups, theatre groups, music ensembles, orchestrian,, Children theatre, solo artists and all genees of performing art activities.

(c) The Scheme is advertised every year on all India basis. Grants are given on the basis of approved projects or programmes subject to the limits laid down for different components of the project by the Advisory Committee set up for the purpose. Care is taken to ensure that all different art form and styles from all parts of the country are given financial support.

(d) Yes, sir.

Year	Number of groups individuals granted assistance
1991-92 . . .	2[illegible]
1992-93 . . .	2[illegible]
1993-94 . . .	2[illegible]

प्राचीन वस्तुओं और कलाकृतियों की चोरी

553. **श्री ईश दत्त यादव** : क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारत में प्राचीन जवाहारात, मन्दिरों से बहुमूल्य मूर्तियों, संग्रहालयों से पुरा-अवशेष कलाकृतियों तथा दुर्लभ पांडुलिपियों, आदि की

चोरी हो रही है और देश के बाहर इनकी तस्करी करके विदेशी बाजारों में बेचा जा रहा है ; और

(ख) यदि हां, तो गत 10 वर्षों में कितने मूल्य के ऐसे जवाहारात, मूर्तियों, पुरा-अवशेष कलाकृतियों तथा दुर्लभ पांडु-लिपियों, आदि की चोरी/तस्करी हुई और सरकार द्वारा इसे रोकने के लिए अब तक क्या कदम उठाए गए है ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग तथा संस्कृति विभाग) में उप मंत्री (कुमारी शैलजा) : (क) जी, हां।

(ख) मूल्य का अनुमान नहीं लगाया गया। पूरा-वस्तुओं की चोरी तथा उनकी तस्करी रोकने के लिए सावधानी पूर्वक चौकसी रखने तथा सीमा-शुल्क स्थानों पर जांच करने के लिए कदम उठाए गए है।

बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद

554. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय** : क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद् के गठन के बारे में क्या स्थिति है ;

(ख) इसके वर्तमान सदस्यों की कुल संख्या कितनी है और उनके नाम क्या हैं ; और

(ग) यह कब तक पूरी तरह गठित हो जाएगी ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग और संस्कृति विभाग) में उप-मंत्री (कुमारी शैलजा) : (क) से (ग) बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद् में कुलपति तथा कुलाध्यक्ष द्वारा नामांकित 8 व्यक्ति शामिल होते है। कुलाध्यक्ष के नामांकित व्यक्तियों की अवधि अभी समाप्त हुई है तथा नए नामांकन विचाराधीन हैं।

उ० प्र० के पौड़ी गढ़वाल में नवोदय विद्यालय और केन्द्रीय विद्यालय

555. **श्री राजनाथ सिंह** : क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) वर्ष 1993-94 में उत्तर प्रदेश के लिए मंजूर किए गए नवोदय विद्यालयों और केन्द्रीय विद्यालयों की संख्या और उनका जिला-वार ब्यौरा क्या है ;

(ख) क्या यह सच है कि उत्तर प्रदेश मे पौड़ी गढ़वाल जिले के पौड़ी क्षेत्र में कोई केन्द्रीय विद्यालय नहीं है ;

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार वर्ष 1994-95 में पौड़ी में एक नवोदय विद्यालय और एक केन्द्रीय विद्यालय खोलने का विचार रखती है ; और

(घ) यदि हां, तो कब तक और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग और संस्कृति विभाग) में उपमंत्री (कुमारी शैलजा) : (क) केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा भेजी गई सूचना के अनुसार, 1993-94 के दौरान उत्तर प्रदेश में दो केन्द्रीय विद्यालय बलिया और देहरादून के दोनों ही जिलों में एक-एक खोले गए। नवोदय विद्यालय समिति ने सूचित किया है कि 1993-94 के दौरान उत्तर प्रदेश में नौ नवोदय विद्यालय खोले जाने की एक योजना थी लेकिन राज्य सरकार से उपयुक्त प्रस्ताव प्राप्त न होने की वजह से कोई भी विद्यालय नहीं खोला जा सका।

(ख) से (घ) पौड़ी गढ़वाल जिलों में लैंसडावन में पहले से ही एक केन्द्रीय विद्यालय है। नवोदय विद्यालय समिति द्वारा भेजी गई सूचना के अनुसार पौड़ी गढ़वाल जिले में 1994-95 के दौरान एक नवोदय विद्यालय स्थापित किया जा सकता है बशर्ते कि शर्तों के अनुसार राज्य सरकार द्वारा भूमि और रुपयाई आदि का प्रावधान हो।